Beginning of Indian Journalism

भारतीय पत्रकारिता की शुरूआत

Presented by

Dr. Archana Bharti

Guest Faculty, MJMC

Sem-1, Paper- 101

Unit 4 (Journalism)

Date- 16/07/2021

भारतीय पत्रकारिता की शुरूआत

- भारत में पत्रकारिता की शुरूआत करने का प्रथम प्रयास विलियम बोल्ट्स ने किया। इन्होंने सन् 1776 में कोलकाता से एक समाचार पत्र निकालने का ऐलान किया था। लेकिन इस कार्य में वह असफल रहा।
- 29 जनवरी 1780 को जेम्स आगस्टस हिक्की नामक अंग्रेज ने 'बंगाल गजट' और कलकत्ता जनरल एडवरटाइजर' का प्रकाशन किया। इसके साथ ही भारत में पत्रकारिता का जन्म हुआ। इस साप्ताहिक अखबार को 'हिक्कीज गजट' के नाम से जाना जाता है।

भारतीय पत्रकारिता की शुरूआत

- बंगाल गजट और कलकत्ता जनरल एडवरटाइजर ईस्ट इंडिया कंपनी से प्रभावित नहीं था, इसलिए इस पर शिकंजा कसता गया।
- हिक्की का मुकाबला करने के लिए सरकारी सहायता से 18 नवंबर 1780 को 'इंडिया गजट' का प्रारंभ किया गया।
- 23 मई 1818 को कोलकाता से बांग्ला का पहला अखबार 'समाचार दर्पण' निकला। यह साप्ताहिक था। मार्शमैन इसके संपादक थे।

भारतीय पत्रकारिता की शुरूआत

- भारत में फारसी पत्रकारिता का जन्म कोलकाता में 20 अप्रैल 1822 को 'मिरात–उल–अखबार' के प्रकाशन के साथ हुआ। जिस राजा राम मोहन राय ने निकाला था।
- राजा राममोहन राय ने 'मिरात–उल–अखबार' में अपनी संपादकीय टिप्पणी में ही अपने उद्देश्य की घोषणा कर दी थी। यह टिप्पणी थी–''कुछ अंग्रेज देश और विदेश के समाचार प्रकाशित करते हैं परन्तु इससे केवल वे ही लोग लाभ उठा पाते हैं जो अंग्रेजी जानते हैं। जो लोग अंग्रेजी नहीं जानते, वे खबरों को दूसरों से पढ़वाते हैं या फिर उससे अनजान बने रहते हैं। ऐसी स्थिति में मुझे फारसी में एक साप्ताहिक अखबार प्रकाशित करने की आवश्यकता प्रतीत हुई।

भारतीय पत्रकारिता की शुरूआत

- राजा राममोहन राय ने कहा था कि, ''इस पत्र के प्रकाशन से मेरा अभिप्राय यह है कि जनता के समक्ष ऐसी बातें प्रस्तुत की जाएं जिससे उनके अनुभवों में वृद्धि हो, सामाजिक प्रगति हो, सरकार को जनता की स्थिति मालूम रहे और जनता को सरकार के काम–काज और नियम–कानूनों की जानकारी मिलती रहे।''
- कलकत्ता जर्नल ने मिरात–उल–अखबार का मूल्यांकन करते हुए लिखा था कि देशी भाषाओं में प्रकाशित समाचार पत्रों में अन्य कोई पत्र इतना अच्छा नहीं निकलता जितना कि यह अखबार।

भारतीय पत्रकारिता की शुरूआत

- यह अखबार एक साल ही निकल सका, क्योंकि अंग्रेजी शासन द्वारा भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को क्षत–विक्षत करने के मकसद से प्रेस अध्यादेश लाया गया। यह अध्यादेश 14 मार्च 1823 को कार्यकारी गवर्नर जनरल जॉन एडम ने जारी किया।
- राजा राममोहन राय ने उस अध्यादेश के विरोध में 'मिरात–उल–अखबार' का प्रकाशन ही बंद करने की घोषणा कर दी। इन्होंने सरकार के सामने झुकने के बजाय अखबार को बंद करना ही बेहतर माना।

भारतीय पत्रकारिता की शुरूआत

- फारसी की तरह उर्दू का पहला समाचार पत्र 27 मार्च 1822 को कोलकाता से 'जाम–ए–जहांनुमा' निकला। यह साप्ताहिक था जो प्रत्येक बुधवार को प्रकाशित होता था। शुरूआत में यह केवल उर्दू भाषा में निकला परन्तु 15 मई 1822 के अंक से इसमें एक कॉलम फारसी भाषा में भी शुरू किया गया। परन्तु इस अखबार का जीवन कुछ अंकों तक ही सीमित रहा।
- 30 मई 1826 को कोलकाता से पंडित युगल किशोर शुक्ल ने हिन्दुस्तानियों के हित में हिंदी का पहला समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' निकाला।

जारी है.....